

कॉपीराइट © द एस्ट्रो टेम्पल, 2025

का जादू चंद्रमा

चंद्रमा की कलाओं से अपनी इच्छाएँ पूरी करें



चाँद की कलाओं के रहस्यों से अपनी ज़िंदगी बदलें □

यह ई-बुक चंद्रमा के अलग-अलग फेज़ के महत्व और हर फेज़ के दौरान अपनी इच्छाओं और चाहतों को पूरा करने के लिए किए जा सकने वाले असरदार उपायों के बारे में बताती है।

द्वारा लिखित - जितेंद्र यादव
एस्ट्रो मंदिर

© कॉपीराइट नोट

इस ई-बुक का सारा कंटेंट, डिज़ाइन, टेक्स्ट, आइडिया, क्रिएटिव स्टाइल और स्ट्रक्चर द एस्ट्रो टेम्पल की इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी है।

इस पुस्तक का कोई भी भाग - चाहे वह पाठ, अनुष्ठान, उपाय, या चित्र हो - लेखक से पूर्व अनुमति के बिना किसी भी रूप में प्रकाशित, पुनर्वितरित, स्कैन, अनुवादित या कॉपी नहीं किया जा सकता है।

सर्वाधिकार सुरक्षित।

© द एस्ट्रो टेम्पल, 2025

अस्वीकरण

इस ई-बुक में बताए गए सभी उपाय, रस्में और तरीके पारंपरिक मान्यताओं, आध्यात्मिक अनुभवों और अल्टरनेटिव एनर्जी के सिद्धांतों पर आधारित हैं। वे पक्की दौलत या सफलता की गारंटी नहीं देते हैं।

एस्ट्रो टेम्पल यह जानकारी सिर्फ जागरूकता और सेल्फ-हेल्प के मकसद से शेयर करता है। इस ई-बुक को मेडिकल, साइकोलॉजिकल, फ़ाइनेंशियल या प्रोफ़ेशनल सलाह का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए।

पढ़ने वालों को सलाह दी जाती है कि कोई भी उपाय करने से पहले वे अपनी समझ, समझदारी और हालात का इस्तेमाल करें। इस ई-बुक में दी गई जानकारी का इस्तेमाल पूरी तरह से पढ़ने वाले की अपनी ज़िम्मेदारी होगी।

विषयसूची

1. परिचय - चाँद का जादू: अपनी इच्छाएँ पूरी करें
चंद्रमा के चरणों के माध्यम से
2. चैप्टर 1: चांद और के बीच सीक्रेट कनेक्शन
अभिव्यक्ति
3. चैप्टर 2: चांद के चरणों की ताकत
4. चैप्टर 3: चंद्रमा के अनुसार इच्छाएँ पूरी करने के उपाय
के चरण
5. चैप्टर 4: चांद और इमोशनल बैलेंस
6. चैप्टर 5: पूर्णिमा और अमावस्या का महत्व
विशेष उपचार
7. चैप्टर 6: चंद्र मंत्रों और ध्यान के ज़रिए प्रकटीकरण
8. चैप्टर 7: मून एनर्जी से जुड़ी सावधानियां और पाबंदियां
9. बोनस टिप्स
10. निष्कर्ष

परिचय - चाँद का जादू: प्रकट होना चंद्रमा की कलाओं के माध्यम से आपकी इच्छाएँ

चंद्रमा सिर्फ एक खगोलीय पिंड नहीं है - यह हमारी भावनाओं, मन की स्थिति और जीवन ऊर्जा पर गहराई से असर डालता है।

ज्योतिष में, चंद्रमा को मन का स्वामी माना जाता है, और इसके अलग-अलग चरण (अमावस्या, पूर्णिमा, बढ़ता हुआ चंद्रमा, और घटता हुआ चंद्रमा) हमारे एनर्जी लेवल और हमारी इच्छाओं की ताकत पर असर डालते हैं।



क्या आप जानते हैं कि सही मून फेज़ के दौरान की गई कोई इच्छा या उपाय आपकी इच्छाओं को तेज़ी से पूरा करने में मदद कर सकता है?

यह किताब आपको चांद की हर कला का महत्व समझने में मदद करेगी और आपको बताएगी कि सही समय पर कौन से उपाय करने चाहिए ताकि आपके सपने सच हो सकें।
सत्य।

इस ई-बुक में आप सीखेंगे:

- चंद्रमा और अभिव्यक्ति के बीच गुप्त संबंध
- अलग-अलग चांद की कलाओं के आधार पर खास उपाय
- आकर्षण, धन, स्वास्थ्य, प्रेम और सफलता के लिए चंद्रमा अनुष्ठान
- पूर्णिमा और अमावस्या की अविश्वसनीय शक्तियों का उपयोग कैसे करें

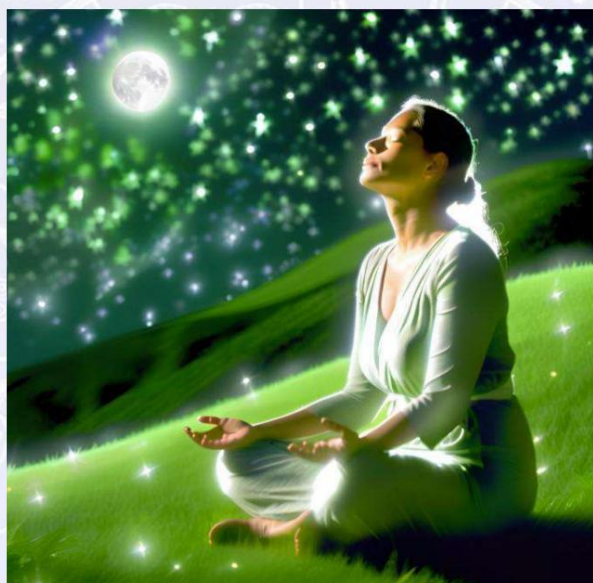
आइए चाँद के जादू को एक्सप्लोर करें और अपने जीवन में पॉजिटिव बदलाव लाएँ! □

अध्याय 1: चंद्रमा और उसका रहस्य अभिव्यक्ति

चंद्रमा का महत्व

चाँद सिर्फ रात के आसमान में दिखने वाला एक खूबसूरत नज़ारा नहीं है - यह हमारी ज़िंदगी की लय से गहराई से जुड़ा हुआ है।

ज्योतिष में, चंद्रमा मन, भावनाओं और मानसिक संतुलन को दिखाता है। इसलिए इसके बदलते फेज़ हमारे विचारों, भावनाओं और फैसलों पर असर डालते हैं।



प्राचीन काल से ही लोग विभिन्न प्रयोजनों के लिए चंद्रमा की कलाओं का उपयोग करते रहे हैं — चाहे वह खेती, व्यापार या आध्यात्मिक कार्य हो, चंद्रमा की स्थिति को हमेशा महत्वपूर्ण माना गया है।

अभिव्यक्ति और चंद्रमा

जब आप यूनिवर्स में कोई इच्छा या ख्वाहिश भेजते हैं, तो वह एनर्जी के रूप में ट्रेवल करती है। चांद के बदलते फेज उस एनर्जी को बढ़ाते या घटाते हैं।

वैक्सिंग फेज़ (अमावस्या से पूर्णिमा तक) को एक समय माना जाता है

ग्रोथ और अट्रैक्शन, जबकि वेनिंग फेज़ (फुल मून से न्यू मून तक) नेगेटिविटी छोड़ने और प्यूरिफिकेशन का समय है।

आपको चांद के चरणों के अनुसार काम क्यों करना चाहिए?



जब आप सही चांद की अवस्था में सही रस्में करते हैं, तो नतीजे कई गुना बढ़ जाते हैं।

उदाहरण के लिए:

- वैक्सिंग चरण के दौरान कुछ नया शुरू करें।
- नकारात्मकता को दूर करें - वानिंग चरण के दौरान।
- धन, प्रेम और सफलता को आकर्षित करें — खासकर पूर्णिमा से पहले के दिनों में। ☐

चैप्टर 2: चांद की कलाएं और उनकी ताकत

एक महीने में चाँद आठ मुख्य फेज़ से गुज़रता है, और हर फेज़ की अपनी खास एनर्जी और महत्व होता है। इन फेज़ को समझकर, हम अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए सही समय पर सही कदम उठा सकते हैं।

1. अमावस्या – नई शुरुआत का समय



- अर्थ: अमावस्या के दौरान, चाँद आसमान में दिखाई नहीं देता है - यह पूरी तरह से अंधेरी रात होती है।
- एनर्जी: यह फेज़ खालीपन और नई शुरुआत की संभावना को दिखाता है।
- उपयोग:
 - नए प्रोजेक्ट या प्लान शुरू करें।
 - अपने इरादे लिखें और एक संकल्प तय करें।
 - मेडिटेशन और विजुअलाइज़ेशन की प्रैक्टिस करें।

2. वैक्सिंग क्रिसेंट - ऊर्जा का प्रवाह



• मतलब: अमावस्या के बाद, चाँद का एक पतला आधा चाँद दिखाई देता है। • एनर्जी: यह समय अपनी इच्छाओं को यूनिवर्स में भेजने और पॉज़िटिव एनर्जी बढ़ाने का है। • इस्तेमाल करें:

• अपने लक्ष्यों की ओर काम करना शुरू करें। • अपने रोज़ाना के अफरमेशन बोलें।

3. पहली तिमाही - फ़ैसलों का समय



• मतलब: चाँद का आधा हिस्सा दिखाई दे रहा है। • एनर्जी: चुनौतियों से पार पाने और आगे बढ़ने का समय। • इस्तेमाल:

- अपने लक्ष्यों की ओर ठोस कदम उठाएं।
- रुकावटों को दूर करने के लिए उपाय या प्रैक्टिस करें।

4. वैक्सिंग गिबस - आखिरी तैयारी



- मतलब: चाँद लगभग पूरा हो गया है।
- एनर्जी: यह फेज़ पूरा होने और सफलता को दिखाता है।
- इस्तेमाल:

- अपने गोल या काम को फाइनल करें।
- अपनी प्रोग्रेस के लिए शुक्रिया कहें।

5. पूर्णिमा - ऊर्जा का चरम

- मतलब: चाँद अपनी पूरी चमक में चमकता है।
- एनर्जी: यह सबसे ज़्यादा पावर और मैनिफेस्टेशन का समय है।



• उपयोग:

- इच्छाओं को पूरा करने के लिए खास मंत्र या मेडिटेशन करें। • एनर्जी से भरपूर एक्टिविटीज़ में शामिल हों।

6. वेनिंग गिबस - रिलीज़ का समय



- मतलब: चाँद कम होने लगता है। • एनर्जी: शुद्धिकरण और नेगेटिविटी को दूर करने का समय। • इस्तेमाल:

- अपने नेगेटिव विचारों को लिखें और उन्हें रिलीज़ रिचुअल के तौर पर जला दें। • अपनी जगह या ऑरा के लिए एक क्लीजिंग रिचुअल करें।

7. पिछली तिमाही - चिंतन और बदलाव



कॉपीराइट © द एस्ट्रो टेम्पल, 2025

• मतलब: चाँद फिर से आधा दिखाई देता है। • एनर्जी: सोचने, पुराने पैटर्न बदलने और अपने रास्ते को फिर से बनाने का समय। • इस्तेमाल करें:

• पहचानें कि क्या काम नहीं कर रहा है और ज़रूरी बदलाव करें। • गहरे मेडिटेशन में समय बिताएं।

8. वानिंग क्रिसेंट - पूरा आराम और नयापन



• मतलब: चाँद फिर से लगभग दिखाई नहीं दे रहा है। • एनर्जी: यह फेज़ आराम और नए साइकिल की तैयारी को दिखाता है। • इस्तेमाल:

• अपने शरीर और मन को पूरी तरह से आराम दें। • आने वाले अमावस्या के लिए इरादे तय करें।

अध्याय 3: अभिव्यक्ति के उपाय चंद्रमा की कलाओं के अनुसार

चंद्रमा के हर फेज़ का हमारे जीवन पर अलग असर होता है। जब इन फेज़ के हिसाब से खास उपाय किए जाते हैं, तो इच्छाएं जल्दी पूरी होती हैं।

नीचे हर मून फेज़ के लिए आसान और असरदार उपाय दिए गए हैं:

1. अमावस्या – नई शुरुआत और इरादे का समय

नया चाँद नेगेटिविटी दूर करने और नई एनर्जी लाने के लिए बहुत अच्छा है।

उपाय:

- अमावस्या की रात को अपने घर के ईशान कोण में दीपक जलाएं।
- अपनी इच्छा को एक कागज़ पर साफ़-साफ़ लिखें, उसे लाल कपड़े में लपेटें और अपनी तिजोरी या प्रार्थना कक्ष में रख दें।
- नेगेटिविटी दूर करने के लिए काले तिल, उड़द दाल और थोड़ा सा गुड़ किसी नदी या समुद्र में बहा दें।

इरादा मंत्र:

"मैं अपने जीवन में पॉजिटिविटी और खुशहाली का स्वागत करता हूँ।"

2. वैक्सिंग क्रिसेंट – एनर्जी बनाने और विश्वास को मजबूत करने का समय

यह फेज़ विश्वास, कॉन्फिडेंस और पर्सनल पावर बढ़ाने में मदद करता है।

उपाय:

- एक सफ़ेद या गुलाबी मोमबत्ती जलाएं और अपनी इच्छा पूरी होते हुए कल्पना करें।
- चावल के दानों पर हल्दी लगाएं, उन्हें पीले कपड़े में बांधें और अपने घर में रख दें।

पवित्र स्थान।

- हर सुबह चाँद को देखें और अपनी इच्छा 11 बार दोहराएँ।



3. दूसरे से पांचवें चंद्र दिवस तक - अपने लक्ष्य की नींव को मजबूत करना

इन दिनों में किए गए काम और रस्में आपकी इच्छाओं की नींव को मजबूत करने में मदद करती हैं।

उपाय:

- तांबे के बर्तन से चंद्रमा को जल (अर्घ्य) दें।
- जल चढ़ाते समय उसमें थोड़ी सी मिश्री मिला दें और कहें:

"हे चंद्र देव, कृपया मुझे आशीर्वाद दें और मेरी इच्छाएं पूरी करें।"

4. पूर्णिमा - अभिव्यक्ति और आकर्षण का समय

पूर्णिमा चंद्र शक्ति के शिखर को दर्शाती है। इस दिन किए गए उपाय बहुत असरदार होते हैं।

उपाय:

- चाँदी के बर्तन से दूध और पानी का मिश्रण चाँद को अर्घ्य दें।
- चंद्रमा को सफेद फूल और सफेद मिठाई अर्पित करें।
- रात में चांदनी में बैठें, ध्यान करें और अपनी इच्छाओं को पूरा होते हुए देखें।
- अगर आपकी इच्छा धन से जुड़ी है, तो पूर्णिमा की रात को चांद को चांदी का सिक्का दिखाएं और फिर उसे अपने बटुए में रख लें।



5. कृष्ण पक्ष – नेगेटिविटी और बुरी आदतों को दूर करने का समय

पुरानी समस्याओं, रुकावटों और नेगेटिव एनर्जी को दूर करने का यह सबसे अच्छा समय है।

उपाय:

- एक नींबू लें, उसके चारों ओर सिंदूर लगाएं और उसे अपने मुख्य द्वार के पास रख दें।
- हर रात चाँद को देखें और कहें:

"हे चंद्र देव, कृपया मेरी सभी बाधाएं दूर करें और मुझे शांति प्रदान करें।"

□ स्पेशल मंत्र (सभी चंद्र चरणों के लिए उपयोगी):

"ॐ सोमाय नमः" — इस मंत्र का रोज़ाना 108 बार जाप करने से आपको चंद्रमा का आशीर्वाद मिलता है और मानसिक शांति, समृद्धि और भावनात्मक संतुलन बढ़ता है।

चैप्टर 4: चाँद और इमोशनल संतुलन

चंद्रमा को हमारे मन, भावनाओं और मानसिक स्थिरता का ग्रह माना जाता है। ज्योतिष में, चंद्रमा की स्थिति और हालत हमारी मानसिक सेहत, मूड और मन की शांति पर बहुत असर डालती है।

चांद के बदलते फेज के साथ हमारी भावनाओं में उतार-चढ़ाव आना आम बात है। इसलिए, इमोशनल बैलेंस बनाए रखने के लिए लूनर एनर्जी का सही तरीके से इस्तेमाल करना ज़रूरी है।

4.1 चंद्रमा और मन के बीच संबंध

- चंद्रमा जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है, जो सीधे भावनाओं से जुड़ा है।
- जब चंद्रमा मजबूत होता है, तो मन शांत, स्थिर और सकारात्मक रहता है।
- कमज़ोर चंद्रमा चिंता, बेचैनी, अनिद्रा या उदासी का कारण बन सकता है।

4.2 इमोशनल इम्बैलेंस के कारण

- जन्म कुंडली में चंद्रमा की खराब स्थिति।
- दैनिक जीवन में तनाव, भय या असुरक्षा की उपस्थिति।
- चंद्रमा से संबंधित नकारात्मक प्रभाव या प्रतिकूल ग्रहों की अवधि।

4.3 चंद्रमा को मजबूत करने के उपाय

1. सोमवार को व्रत रखें - सोमवार को व्रत रखने से चंद्रमा की ऊर्जा बढ़ती है।
2. चांदी के बर्तन से पानी पिएं - यह अभ्यास मानसिक शांति को बढ़ावा देता है और चंद्र ऊर्जा को मजबूत करता है।
3. सफेद या हल्के नीले रंग के कपड़े पहनें - ये रंग चंद्रमा से जुड़े होते हैं और पॉजिटिविटी बढ़ाएं।



1. चंद्र मंत्र का जाप करें:

- o "ओम सों सोमाय नमः" का प्रतिदिन 108 बार जाप करें ।
- o इससे चंद्रमा मजबूत होता है और इमोशनल स्टेबिलिटी आती है।

2. दूध और चावल दान करें - चंद्रमा का आशीर्वाद पाने के लिए सोमवार को जरूरतमंदों को दूध और चावल दें।

4.4 मेडिटेशन और लूनर एनर्जी का इस्तेमाल

- पूर्णिमा ध्यान: पूर्णिमा की रात को खुले आसमान के नीचे बैठें, चंद्रमा को देखें और गहरी सांस लें।
- व्हाइट लाइट विजुअलाइज़ेशन: सोचिए कि चांद की हल्की सफ़ेद रोशनी आपके मन को शांत और ठीक कर रही है।
- पानी में चाँद का प्रतिबिंब: एक तांबे के कटोरे में पानी भरें, चाँद का प्रतिबिंब देखें, और एक सकारात्मक इरादा करें।

4.5 इमोशनल स्टेबिलिटी के लिए रोज़ाना की आदतें

- हर रात चाँद को देखकर और ब्रह्मांड को धन्यवाद देकर आभार व्यक्त करें।
- दिमागी आराम के लिए सोने से पहले केसर वाला दूध पिएं।
- परिवार और प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताएँ - इससे भावनात्मक गर्माहट बढ़ती है और चंद्रमा का सकारात्मक प्रभाव बढ़ता है।

अध्याय 5: पूर्णिमा और अमावस्या का महत्व और उनके विशेष उपाय



चांद के 16 फेज़ में से, फुल मून (पूर्णिमा) और न्यू मून (अमावस्या) को सबसे ज़्यादा पावरफुल माना जाता है। ये दो दिन एनर्जी ट्रांसफ़ॉर्मेशन के बड़े सोर्स हैं।

जब आप अपने इरादों और इच्छाओं को चांद की एनर्जी के साथ मिलाते हैं, तो आपको ज़्यादा तेज़ और असरदार नतीजे मिलते हैं।

पूर्णिमा का महत्व

पूर्णिमा के दिन, चाँद अपनी सबसे ज़्यादा एनर्जी बिखेरता है। यह पॉज़िटिविटी, खुशहाली, समझदारी और शांति का प्रतीक है।

इस लूनर एनर्जी का इस्तेमाल करने से आपको अपनी ज़िंदगी में खुशी, खुशहाली और सफलता लाने में मदद मिल सकती है।

पूर्णिमा के विशेष लाभ:

- मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता लाता है

- आर्थिक समृद्धि लाता है • रिश्तों में प्यार और
- सद्भाव बढ़ाता है • आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देता है

पूर्णिमा के लिए विशेष उपायः

1. चंद्रमा को जल चढ़ाएं:

चांद निकलने के बाद, पानी में सफेद चावल और चंदन का लेप मिलाकर चांद को अर्घ्य दें।

इससे मन की शांति और खुशहाली बढ़ती है।

2. कपूर और घी का दीपक जलाएं: अपने घर के उत्तर-पूर्व कोने में कपूर

और घी का दीपक जलाएं।

“ॐ सोमाय नमः” का 108 बार जाप करें।

इससे चंद्रमा का बुरा असर दूर होता है और इमोशंस बैलेंस होते हैं।

3. सफेद मिठाई दान करें:

पूर्णिमा के दिन जरूरतमंदों को सफेद मिठाई, चावल या दूध दान करें।

इससे धन, खुशी और खुशहाली आती है।

4. मून मेडिटेशन का अभ्यास करें:

चांदनी में बैठें, गहरी सांस लें और अपनी इच्छाओं को पूरा होते हुए देखें।

यह आपके इरादों को चंद्रमा की शक्तिशाली ऊर्जा से जोड़ता है।

अमावस्या का महत्व

नया चाँद आध्यात्मिक सफाई, नयापन और नई शुरुआत को दिखाता है।

यह एनर्जी बैलेंस, नए प्रोजेक्ट्स की प्लानिंग और नेगेटिविटी को दूर करने का एक पावरफुल समय है।

अमावस्या के खास फायदे: • नेगेटिव एनर्जी और रुकावटें दूर होती हैं •

प्लानिंग और नई शुरुआत में मदद मिलती है • पुरखों का आशीर्वाद पाने में

मदद मिलती है • मानसिक और आध्यात्मिक ताकत बढ़ती है

अमावस्या के लिए विशेष उपाय:

1. तिल के तेल का दीपक जलाएं: अमावस्या

की रात को अपने मुख्य द्वार के पास तिल के तेल से भरा दीपक जलाएं।

प्रवेश द्वार।

यह आपके घर को नेगेटिव एनर्जी से बचाता है।



2. काले तिल दान करें:

किसी ब्राह्मण या ज़रूरतमंद व्यक्ति को काले तिल और कपड़े दान करें।

इससे पैतृक और ग्रहों की बाधाएं कम होती हैं।

3. नमक के पानी से घर की सफाई करें: अमावस्या के दिन घर

की अच्छी तरह सफाई करें और नेगेटिविटी खत्म करने के लिए नमक मिले पानी से फर्श पोंछें।

4. Perform ancestor offering (Pitru Tarpan):

अमावस्या अपने पूर्वजों को याद करने और उनका आशीर्वाद लेने का एक शुभ दिन है।

इस रस्म को करने से परिवार में शांति और मेलजोल आता है।

▣ खास टिप्स:

• पूर्णिमा पर, पॉजिटिव कामों, अफरमेशन और मेडिटेशन पर ध्यान दें। • अमावस्या पर, सफाई की रस्में, पूर्वजों का तर्पण और नेगेटिविटी दूर करने वाले तरीके करें।

अध्याय 6: इच्छाओं को प्रकट करना चंद्र मंत्र और ध्यान



चंद्रमा को मन और भावनाओं का स्वामी माना जाता है। चंद्रमा के आशीर्वाद से व्यक्ति को मानसिक शांति, प्यार, रिश्तों में तालमेल, धन और खुशहाली मिलती है। मंत्रों का जाप और मेडिटेशन करना चंद्र ऊर्जा को आकर्षित करने के सबसे शक्तिशाली तरीके हैं। इस अध्याय में, हम चंद्रमा मंत्रों के महत्व, उन्हें जाप करने का सही तरीका और चंद्रमा मेडिटेशन की विधि के बारे में विस्तार से जानेंगे।

1. चंद्र मंत्रों का महत्व

मन को शांत करने, नेगेटिव विचारों को दूर करने और जीवन में पॉजिटिविटी लाने के लिए चंद्र मंत्र बहुत असरदार माने जाते हैं। इन मंत्रों का रेगुलर जाप करने से विलपावर बढ़ती है और इच्छाएं पूरी होती हैं।

2. शक्तिशाली चंद्र मंत्र

☐ Chandra Beej Mantra

ॐ श्रां सांश्रसः चन्द्राय नमः

मतलब और फ़ायदे: यह मानसिक शांति, इमोशनल बैलेंस और रिश्तों में मिठास लाता है।

□ Chandra Gayatri Mantra

ॐ पद्मद्वाजराय विद्महेहरमकाराय धर्मवाहा तन्नः सोमः प्रचोदयारत अर्थ और लाभः चंद्रमा की ऊर्जा प्राप्त करने में मदद करता है, मानसिक स्पष्टता, आकर्षण और सौभाग्य को बढ़ाता है।

□ सोम मंत्र

ॐ सोम सोमराय नमः अर्थ

और लाभः अच्छे स्वास्थ्य, मानसिक शांति और वित्तीय समृद्धि के लिए।

3. जप का सही समय और तरीका

- सबसे अच्छे दिन: सोमवार और पूर्णिमा।
- सबसे अच्छा समय: चांद निकलने के समय या रात में।
- जगह: किसी साफ़, शांत जगह पर उत्तर दिशा की ओर मुंह करके बैठें।
- माला: जाप के लिए मोती (चंद्र मोती) या रुद्राक्ष माला का इस्तेमाल करें।
- गिनती: कम से कम 108 बार जाप करें।

4. चंद्र ध्यान की शक्ति

मून मेडिटेशन का मतलब है अपने मन में सुखदायक चंद्र ऊर्जा को सोखना। यह मेडिटेशन इमोशनल स्टेबिलिटी, अट्रैक्शन और पॉजिटिविटी लाता है।

मून मेडिटेशन के स्टेप्स:

1. चाँद को देखते हुए चुपचाप बैठें।
2. गहरी सांस लें और कल्पना करें कि चांद की ठंडी रोशनी आपके मन और शरीर को शांति से भर रही है।



1. महसूस करें कि चंद्रमा की दिव्य कृपा से आपकी सभी इच्छाएँ पूरी हो रही हैं ऊर्जा।
2. ध्यान करते समय —ॐ सोमाय नमः॥ जैसे मंत्र का जाप करें।
3. कम से कम 15-20 मिनट तक जारी रखें।

5. चंद्र ऊर्जा को आकर्षित करने के अन्य तरीके

- सफेद कपड़े और चांदी के गहने पहनें।
- सोमवार को व्रत रखें और सफेद मिठाई दान करें।
- चंद्रमा को कच्चा दूध, सफेद चंदन और सफेद फूल चढ़ाएं।

□ स्पेशल टिप:

पूर्णिमा की रात को चंद्र मंत्रों का अभ्यास और ध्यान करने से उनका असर कई गुना बढ़ जाता है।

अध्याय 7: सावधानियां और निषेध चंद्रमा ऊर्जा से संबंधित

चांद की एनर्जी को बहुत कोमल, सेंसिटिव और पावरफुल माना जाता है। यह सीधे हमारे मन, भावनाओं, विचारों और ज़िंदगी के बड़े फैसलों पर असर डालती है। जब हम अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए चांद की एनर्जी का इस्तेमाल करते हैं, तो कुछ सावधानियों और गाइडलाइंस का पालन करना ज़रूरी है—नहीं तो, नतीजे उल्टे हो सकते हैं।

आइए, चंद्रमा की ऊर्जा से जुड़ी मुख्य सावधानियों और मनाही को समझते हैं:

1. पवित्रता बनाए रखें

- चंद्रमा के दौरान अभ्यास, मंत्र जाप, या शारीरिक और मानसिक दोनों तरह के उपाय मानसिक शुद्धता ज़रूरी है।
- दूसरों के प्रति नेगेटिव सोच, गुस्सा, जलन या बुरी भावना से बचें।
- चंद्र ऊर्जा को आकर्षित करने के लिए, सफेद या हल्के रंग के कपड़े पहनें।

2. समय और तारीखों का ध्यान रखें

- चंद्र साधना केवल शुभ समय पर ही करें—जब चंद्रमा दिखाई दे या पूर्णिमा, अमावस्या, या शुक्ल पक्ष जैसे चंद्र के खास चरणों में।
- ग्रहण या ग्रहों की पीड़ा से प्रभावित समय जैसे अशुभ समय में पूजा-पाठ करने से बचें।

3. चंद्र मंत्र जाप के नियम

- शुद्ध और सच्चे मन से मंत्रों का जाप करें।
- जाप करते समय एक सही चटाई या आसन पर बैठें और माला का इस्तेमाल करें।
- हर मंत्र का उच्चारण साफ़ और सही करें।

4. नेगेटिविटी से दूर रहें

- चंद्र ऊर्जा बहुत संवेदनशील होती है; इसलिए, इसके बाद अभ्यास करने से बचें।
नकारात्मकता, अशुद्धता या हिंसा का कोई भी कार्य।
- शराब, मांसाहारी भोजन और नशीले पदार्थों से दूर रहें।

5. लालच और बेसब्री से बचें

- चांद की एनर्जी धीरे-धीरे काम करती है लेकिन लंबे समय तक चलने वाले नतीजे देती है। धैर्य और विश्वास के साथ उपाय करें।
- लालच में आकर मून प्रैक्टिस न करें; इसके बजाय, पॉजिटिविटी और मेंटल शांति लाने पर ध्यान दें।

6. प्रैक्टिस स्पेस का महत्व

- खुले आसमान के नीचे या शांत, पवित्र जगह पर चांद की पूजा करें।
- अपनी प्रैक्टिस की जगह को हमेशा साफ़ और पॉजिटिव एनर्जी से भरा रखें।

7. अमावस्या और ग्रहण के दौरान खास सावधानी

- चंद्र ग्रहण के दौरान चंद्र संबंधी अभ्यासों से बचें, क्योंकि चंद्रमा की ऊर्जा उस समय परेशान थे।
- अमावस्या की रात को मेडिटेशन किया जा सकता है, लेकिन नेगेटिव या जादू-टोने (तांत्रिक) कामों से बचें।

8. कभी किसी को नुकसान पहुँचाने का इरादा न रखें

- चंद्र ऊर्जा का गलत इस्तेमाल न करें। दूसरों को नुकसान पहुँचाने के लिए इसका इस्तेमाल करना गंभीर माना जाता है। पाप और उल्टा असर हो सकता है।

9. मानसिक संतुलन बनाए रखें

- मून प्रैक्टिस करते समय आपका मन शांत और फोकस्ड होना चाहिए। जब आप इमोशनली अनस्टेबल या परेशान महसूस करें तो रिचुअल्स से बचें।

10. आभार व्यक्त करना न भूलें

- जब आपकी इच्छाएं चांद की एनर्जी की मदद से पूरी हो जाएं, तो हमेशा चांद का शुक्रिया अदा करें। इससे आपकी एनर्जी शुद्ध और पॉजिटिव रहती है।

याद करना:

चाँद की एनर्जी कुदरत की सबसे कोमल शक्तियों में से एक है। यह आपके जीवन में प्यार, शांति, खुशहाली और बैलेंस लाती है।

जब इसे सच्चे इरादे, सही समय और अच्छे मकसद के साथ किया जाता है, तो लूनर एनर्जी यह पक्का करती है कि आपकी इच्छाएं खूबसूरती से पूरी हों।

बोनस टिप्स

□ पानी में चाँद की परछाई देखना - पूर्णिमा की रात को, चाँदनी में एक गिलास पानी रखें और पीने से पहले उसमें चाँद की परछाई देखें। इससे मन शांत होता है और विलपावर बढ़ती है।

□ मूनलाइट बाथ - पूर्णिमा की रात को 10-15 मिनट के लिए खुली चांदनी में बैठें। यह मानसिक तनाव को दूर करने में मदद करता है और आपके नैचुरल चार्म और मैग्नेटिज़्म को बढ़ाता है।



□ मून जेमस्टोन पहनना - मोती, चंद्रमा का रत्न है। इसे चांदी की अंगूठी में पहनने से मन को शांति और इमोशनल स्टेबिलिटी मिलती है।

□ चंद्र मंत्र का जाप - चंद्र ऊर्जा को संतुलित करने और अपनी इच्छाओं को पूरा करने में मदद के लिए नियमित रूप से "ओम सोमाय नमः" मंत्र का जाप करें।

□ सफेद वस्तुओं का दान - चंद्रमा को प्रसन्न करने के लिए सोमवार को सफेद वस्तुएं जैसे दूध, चावल, सफेद कपड़े या मिठाई का दान करें।

निष्कर्ष

चाँद सिर्फ एक आसमानी चीज़ नहीं है—यह हमारे मन, भावनाओं और एनर्जी का कंट्रोलर है। जब हम अपने इरादों और लक्ष्यों को चाँद की चाल के साथ जोड़ते हैं, तो ज़िंदगी में सफलता और बैलेंस पाना आसान हो जाता है।

यह ई-बुक आपको चांद की शक्ति को समझने में मदद करती है और इसका सही इस्तेमाल करने का तरीका दिखाती है।

याद रखें: आपकी इच्छाएं सिर्फ रीति-रिवाज़ों से पूरी नहीं होतीं, बल्कि आपके विश्वास, पॉज़िटिव सोच और लगातार कोशिश करने से भी पूरी होती हैं। जब आप सब्र और भरोसे के साथ लूनर एनर्जी के साथ काम करते हैं, तो आपकी ज़िंदगी में चमत्कारी बदलाव आने लगते हैं।

□ आपका जीवन आशीर्वाद से भरा रहे, और सफलता हमेशा आपके साथ रहे।

शुभकामना सहित,

Author: JitendraYadav

(एस्ट्रो मंदिर)